भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 1294
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

छत्तीसगढ़ से 'प्रसाद' योजना और इको-पर्यटन के अंतर्गत प्राप्त प्रस्ताव

1294. श्री दीपक बैज:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा डांगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर के लिए 'प्रसाद' योजना और इको-पर्यटन के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि हां, तो इन अनुरोधों पर दिए गए निर्णयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्ताव राशि का ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, राजनंदगांव, सुकमा, कांडीगांव जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पर्यटन की दृष्टि से किन-किन स्थलों का विकास किया गया है और उन पर कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2020-21 में 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' प्रशाद के तहत 43.33 करोड़ रुपये की लागत से "मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर का विकास" परियोजना को मंजूरी दी है। वर्ष 2015-16 के दौरान, मंत्रालय ने "स्वदेश दर्शन" (एसडी) योजना के तहत 96.10 करोड़ रुपये की लागत से "जशपुर-कुनकुरी-मैनपाट-कमलेशपुर-महेशपुर-कुर्दार-सरोधादादर- गंगरेल-कोंडागांव- नथियानवागांव- जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ का विकास" परियोजना को भी मंजूरी दी है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में भी बस्तर जिले के हस्तक्षेप शामिल हैं। इस परियोजना के लिए अब तक 94.23 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। इस परियोजना का निष्पादन पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा, मंत्रालय की एसडी 2.0 योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में बिलासपुर और जगदलपुर को विकास के लिए चयनित किया गया है।

******